SEMESTER SYSTEM

सत्रार्ध पद्धति

हिन्दी विभाग

पटना विश्वविद्यालय, पटना

प्रकाशक : निदेशक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए सत्रार्ध पद्धति
हिन्दी विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना

© सर्वाधिकार सुरक्षित

वर्ष : 2012

मूल्य : 50/-

मुद्रक : वातायन मीडिया एण्ड पब्लिकेशन प्रा.लि.
जी-1 बी, अयोध्या अपार्टमेंट, बोर्ड ऑफिस के सामने
फ्रेजर रोड, पटना-800 001

दूरभाष : 0612-2222920, Mob.: 9431040914

हिन्दी विभाग
पटना विश्वविद्यालय, पटना

SEMESTER SYSTEM
सत्रार्ध पद्धति

पटना विश्वविद्यालय, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए पूर्वार्ध पद्धति (Semester System) सत्र 2010-11 से विधिवत् प्रभावी होगी

- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दो अकादमिक सत्र होंगे। प्रत्येक सत्र दो सत्रार्धों (Semester) में विभाजित होगा- (1) जुलाई-दिसंबर (2) जनवरी-जून
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में कुल 16 पत्र होंगे जो चार सत्रार्धों (सेमेस्टरों) में समान रूप में विभाजित होंगे। प्रत्येक पत्र 5 गण्यता (Credits) और समग्र पाठ्यक्रम 80 गण्यता (Credits) का होगा। उनका स्वरूप सैद्धांतिक, प्रायोगिक, परियोजनामूलक एवं क्षेत्र-कार्य से निर्धारित होगा।
- प्रत्येक सत्रार्ध के सभी चारों पत्रों में सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment) के लिए 30-30 अंक और अर्ध सत्रान्त परीक्षाओं (End of Semester Exams) के लिए 70-70 अंक निर्धारित हैं।

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन का अंक विभाजन (Continuous Internal Assessment) [C.I.A.] :

(i) एक घंटे की परीक्षावधि वाली दो मध्य-सत्रार्ध लिखित परीक्षाएँ- 7½ x 2 = 15 अंक
(Two Mid-Semester written tests of 1 hour duration)

(ii) संगोष्ठी/क्वीज़ (प्रश्नोत्तरी)/टर्म पेपर (नियतावधि आलेख)- = 05 अंक
(Seminar / Quiz / Term Paper)

(iii) गृह-कार्यभार (Home Assignment) = 05 अंक

(iv) उपस्थिति-निरंतरता एवं आचरण

(Regularity and Behavior) = 05 अंक

कुल- = 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि- 3 घंटे)

(End of Semester Exam (E.S.E.) written examination of 3 hours duration)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credit) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) (प्रत्येक गण्यता (Credit) से दो प्रश्न)- 05 x 4 = 20 अंक

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (प्रत्येक गण्यता (Credit) से दो प्रश्न)- 13 x 3 = 39 अंक

कुल- = 70 अंक

विषम सत्रार्ध (Odd Semester, 1, 3) की परीक्षाएँ, नवम्बर/दिसम्बर में होंगी और सम सत्रार्ध (Even Semesters, 2, 4) की परीक्षाएँ मई में होंगी । यदि कोई छात्र अनुत्तीर्ण रहता है तो उसे उसी सत्रार्ध की सम या विषम सत्रार्ध की उत्तरवर्ती परीक्षाओं में बैठने की अनुमति होगी । विषम सत्रार्ध को पावस सत्रार्ध एवं सम सत्रार्ध को शीत सत्रार्ध कहा जाएगा ।

सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Assessment) का उत्तीर्णांक 30 का 40% 12 अंक होगा । सतत आंतरिक मूल्यांकन में अनुत्तीर्ण छात्रों को उत्तरवर्ती सत्रार्धों में अंक सुधारने के लिए लिखित परीक्षा एवं कार्यभार प्रस्तुत करने के दो मौके दिए जाएँगे ।

अर्ध सत्रान्त (End of Semester Exams) लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा में उत्तीर्णांक 70 का 40% 28 अंक होगा ।

प्रथम वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

पहला पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन

(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नोत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

<u>हिन्दी साहित्य के इतिहास का पाठ्यांश :</u>

Credit-1 साहित्येतिहास दर्शन, इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन, आदिकाल : नामकरण और प्रवृत्तियाँ, सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य, रासो काव्य और लौकिक काव्य, आदिकाल का सामाजिक-सांस्कृतिक अवदान ।

Credit-2 भक्तिकाल का प्रेरणास्रोत, भक्तिकाव्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि, निर्गुण-सगुण में साम्य-वैषम्य, संतकाव्य, प्रेमाख्यानक काव्य, कृष्ण-भक्तिकाव्य, राम-भक्तिकाव्य, भक्तिकाल का सामाजिक-सांस्कृतिक अवदान ।

Credit-3 रीतिकाल का प्रेरणास्रोत, रीतिकाल : नामकरण और प्रवृत्तियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य और उनका अवदान, नवजागरण और आधुनिक काल का अभ्युदय, भारतेंन्दु युग, द्विवेदी युग ।

Credit-4 छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, समकालीन कविता और नवगीत ।

Credit-5 हिन्दी गद्य का विकास और प्रमुख पत्रिकाएँ ; उपन्यास, कहानी, आलोचना, नाटक और रंगमंच का उद्‌भव और विकास ; संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज, निबंध, दलित साहित्य का संक्षिप्त परिचय ।

सहायक पुस्तकें :

साहित्य का इतिहास दर्शन	- नलिन विलोचन शर्मा
साहित्य के नये धरातल : शंकाएँ और दिशाएँ	- केसरी कुमार
हिन्दी साहित्य का इतिहास	- रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका	- हज़ारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास	- हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	- हजारी प्रसाद द्विवेदी
साहित्य और इतिहास दृष्टि	- मैनेजर पाण्डेय
भक्तिकाव्य की भूमिका	- प्रेमशंकर
उत्तर भारत की संत परंपरा	- परशुराम चतुर्वेदी
भक्ति काव्य और लोकजीवन	- शिव कुमार मिश्र
भक्ति आंदोलन और सूदरदास का काव्य	- मैनेजर पाण्डेय
रीति साहित्य को बिहार की देन	- अमरनाथ सिन्हा
भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	- रामविलास शर्मा
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण	- रामविलास शर्मा
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	- राम स्वरूप चतुर्वेदी
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	- नामवर सिंह

प्रथम वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

दूसरा पत्र : काव्यशास्त्र

(1) **सतत आन्तरिक मूल्यांकन**
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) **अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)**

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्न अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

काव्यशास्त्र का पाठ्यांश

गण्यता-1. (Credits) काव्य-लक्षण, काव्य-भेद, काव्य की आत्मा : रसवादी, अलंकारवादी, रीतिवादी, ध्वनिवादी, वक्रोक्तिवादी, औचित्यवादी अवधारणाएँ ।

गण्यता-2 रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति-भेद; काव्यगुण और उसके भेद; अलंकार संप्रदाय, अलंकार-भेद ।

गण्यता-3 औचित्य संप्रदाय की मूल स्थापना, वक्रोक्ति संप्रदाय, वक्रोक्ति-भेद (मूलतः पदपूर्वार्धवक्रता, पदपरार्ध वक्रता) ।

गण्यता-4 रस संप्रदाय : रस के अवयव, रस निष्पत्ति, उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यक्तिवाद, साधारणीकरण सिद्धांत ।

गण्यता-5 (i) छंद और उसके प्रमुख भेदों के लक्षण-उदाहरण : वर्णिक छंद : शालिनी, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, तोटक, मालिनी, मंदाक्रांता; मात्रिक छंद : तोमर, अरिल्ल, पद्धरि, चौपाई, रोला, दोहा, बंरवै, सोरठा, आल्हा, मिश्र छंद : कुंडलिया, छप्पय, सवैया ।

(ii) अलंकार और उसके प्रमुख भेदों के लंक्षण-उदाहरण : गब्दालंकार - छेकानुप्रास वृत्यनुप्रास, लाटानुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति । अर्थालंकार- उपमा, अनन्वय, रूपक, उत्प्रेक्षा, अपह्नुति, अतिशयोक्ति- रूपकातिशयोक्ति, तुल्ययोगिता, दृष्टांत, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रशंसा, व्याजस्तुति, विरोधाभास, विभावना, विशेषेक्ति, असंगति ।

सहायक पुस्तकें :

भारतीय काव्य सिद्धांत	- सं० नगेन्द्र एवं तारकनाथ बाली
संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास	- एस० के० डे०
भारतीय साहित्यशास्त्र	- गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे
रस मीमांसा	- रामचंद्र शुक्ल
रस सिद्धांत	- नगेन्द्र
साहित्य दर्पण	- विश्वनाथ
काव्य में उदात्त तत्त्व	- नगेन्द्र
अलंकार धारणा : विकास और विश्लेषण	- शोभाकांत मिश्र
सौन्दर्य शास्त्र और रस सिद्धांत	- निर्मला जैन
सौन्दर्य शास्त्र के तत्त्व	- कुमार विमल
भारतीय काव्य चिंतन में शब्द	- अमरनाथ सिन्हा
भारतीय काव्य-चिंतन	- शोभाकान्त मिश्र
अलंकार मुक्तावली	- आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
काव्य के तत्त्व	- आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा

प्रथम वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

तीसरा पत्र : आरंभिक एवं मध्यकालीन काव्य

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्न अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

<u>आरम्भिक एवं मध्यकालीन काव्य का पाठ्यांश</u>

गण्यता-1. चंदवरदायी : पृथ्वीराज रासो (संक्षिप्त) : सं: हजारी प्रसाद द्विवेदी, **(Credits)** इंछिनी विवाह प्रसंग, संयोगिता परिणय

गण्यता-2. विद्यापति की पदावली : विद्यापति : अनुशीलन एवं मूल्यांकन-खंड-2 : सं० वीरेन्द्र श्रीवास्तव बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी ।
पद सं० - 7, 20, 26, 28, 29, 33, 36, 91, 117, 121

गण्यता-3. कबीर : कबीर वाङ्मय खण्ड-1,जयदेव सिंह, वासुदेव सिंह, साखी : 15, परचा को अंग, दोहा संख्या - 1 से 15 तक ।
कबीर वाङ्मय खण्ड-2, जयदेव सिंह, वासुदेव सिंह, सबद : 10
पद सं०- 4, 5, 11, 34, 35, 48, 57, 72, 83, 125

गण्यता-4. जायसी : पद्मावत : सं० वासुदेव शरण अग्रवाल, पाठ्यांश : पद्मावती - नागमती सती खंड

गण्यता-5. रैदास : (10 पद), संत रैदास : योगेन्द्र सिंह, लोकभारती, पेपर बैक्स। पद संख्या - 6, 13, 27, 28, 40, 42, 58, 69, 73, 93

1. अविगत नाथ निरंजन देवा (पद-6)
2. ऐसो कछु अनुभो कहत न आवै (पद-13)
3. गाई गाई अब का कहि गाऊँ (पद-27)
4. गोविंदे भव जल व्याधि अपारा (पद-28)
5. जल की भीति पवन का थम्भा (पद-40)
6. ज्यों तुम कारन केसवे, अंतर लव लागी (पद-42)
7. नरहरि चंचल है मति मेरी (पद-58)
8. प्रभु जी संगति सरन तिहारी (पद-69)
9. बापुरो संत रैदास कहै रे (पद-73)
10. राम बिनु संसय गाँठि न छूटै (पद-93)

सहायक पुस्तकें :

पृथ्वीराज रासो (भूमिका) - सं० हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
कबीर - सं० वासुदेव सिंह
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय - पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
जायसी ग्रंथावली (भूमिका) - रामचंद्र शुक्ल
जायसी - विजयदेव नारायण साही
विद्यापति - शिव प्रसाद सिंह
विद्यापति : अनुशीलन और मूल्यांकन, खंड 1 - वीरेन्द्र श्रीवास्तव
चंदबरदाई - डॉ० सुमन राजे, उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान
संत रैदास : योगेन्द्र सिंह, लोकभारती प्रकाशन
सं० रैदास : संगम लाल पांडेय

प्रथम वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

चौथा पत्र : मध्यकालीन हिन्दी काव्य

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन के प्रश्नोत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

मध्यकालीन हिन्दी काव्य का पाठ्यांश

गण्यता-1. सूरदास : भ्रमरगीत सार : सं० रामचन्द्र शुक्ल
(Credits) निम्नांकित पद : 7, 8, 13, 15, 17, 25, 29, 32, 42, 50, 61, 70, 89, 109, 171

गण्यता-2. तुलसीदास : कवितावली : उत्तरकाण्ड :
निम्नांकित पद : 33, 37, 39, 41, 44, 60, 72, 77, 81, 85, 97, 101, 115, 167, 175

गण्यता-3. मीराबाई : मीराबाई की पदावली : सं० परशुराम चतुर्वेदी
निम्नांकित पद : 1, 4, 6, 14, 17, 37, 53, 90, 106, 116

गण्यता-4. बिहारी : बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथ दास रत्नाकर
निम्नांकित दोहे : 1, 6, 11, 13, 16, 20, 32, 35, 37, 38, 51, 55, 63, 73, 94

गण्यता-5. घनानंद : घनानंद कवित्त : सं० चन्द्रशेखर मिश्र :
निम्नांकित कवित्त : 1, 6, 7, 8, 9, 10, 13, 14, 15, 24, 42, 49, 56, 60, 70

सहायक पुस्तकें :

सूरदास	- रामचंद्र शुक्ल
गोस्वामी तुलसीदास	- रामचंद्र शुक्ल
तुलसी और उनका युग	- राजपति दीक्षित
तुलसीदास	- माता प्रसाद गुप्त
तुलसी-दर्शन मीमांसा	- उदयभानु सिंह
गोसाईं तुलसीदास	- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	- मैनेजर पांडेय
सूर की काव्य चेतना	- डॉ० बलराम तिवारी
सूर साहित्य	- हजारी प्रसाद द्विवेदी
सूरदास एवं नंददास के भ्रमरगीत : एक तुलनात्मक अध्ययन	- डॉ० प्रेमनाथ उपाध्याय
घनानंद कवि	- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
बिहारी का नया मूल्यांकन	- बच्चन सिंह
बिहारी की वाग्विभूति	- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
बिहारी रत्नाकर	- सं० बलराम तिवारी
रीतिकाल की भूमिका	- नगेन्द्र
साहित्य के नये धरातल : शंकाएँ और दिशाएँ	- केसरी कुमार

प्रथम वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर
पाँचवाँ पत्र : भाषा-विज्ञान

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन के प्रश्नोत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

<u>भाषा-विज्ञान का पाठ्यांश</u>

गण्यता-1. **(Credits)** भाषा की परिभाषा; भाषा, उपभाषा और बोली; बोली का भाषा में परिवर्तित होने के कारण, भाषा-परिवर्तन के कारण ।

गण्यता-2. ध्वनि विज्ञान : ध्वनि की परिभाषा, स्वन, स्वनिम, संस्वन, वाग्यंत्र, ध्वनियों का वर्गीकरण : स्वर ध्वनि और स्वरों का वर्गीकरण; व्यंजन ध्वनि और व्यंजनों का वर्गीकरण, ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ, व्युत्पत्ति, बलाघात और अनुतान (Intonation) ।

गण्यता-3. रूप, शब्द और पद ; रूप, रूपिम और संरूप, मूलांश और प्रत्यय, पद-विभाग, पद-रचना की पद्धतियाँ, पदबंध (संज्ञापदबंध, क्रिया पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया-विशेषण पदबंध, सर्वनाम पदबंध);

वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, पद और वाक्य संबंध- अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व- (आकांक्षा, योग्यता, आसत्ति) - भारतीय और पाश्चात्य मत, वाक्य की अन्तःकेन्द्रिक एवं बाह्य केन्द्रिक संरचना ।

गण्यता-4. अर्थविज्ञान : अर्थ का स्वरूप, शब्द और अर्थ में संबंध, अर्थग्रहण या संकेतग्रहण के कारण, अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ और कारण; समध्वन्यात्मकता पर्यायवाचकता ।

गण्यता-5. लिपि और भाषा में समानता और अंतर, देवनागरी लिपि का विकास, देवनागरी लिपि का मानकीकरण और वैज्ञानिकता ।

सहायक पुस्तकें :

भाषा विज्ञान का भूमिका	- देवेन्द्रनाथ शर्मा
भाषा और समाज	- रामविलास शर्मा
भाषा विज्ञान	- भोलानाथ तिवारी
हिन्दी भाषा का इतिहास	- धीरेन्द्र वर्मा
हिन्दी भाषा	- भोलानाथ तिवारी
ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ	- बलराम तिवारी
भाषा (अनुवाद)	- एल० ब्लूमफील्ड
सैद्धांतिक भाषा विज्ञान की भूमिका	- जे० लायन्स
भाषा सर्वेक्षण : सिद्धांत और व्यवहार	- मुरारीलाल उप्रैती
भाषा और भाषिकी	- देवी शंकर द्विवेदी
Aspects of Applied Linguistics	- D. P. Pattanayak

202

दूसरा सत्रार्ध (Semester - II)

प्रथम वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर
छठा पत्र : निबंध एवं अन्य विधाएँ

(1) **सतत आन्तरिक मूल्यांकन**
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) **अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)**

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

निबंध एवं अन्य विधाएँ : पाठ्यांश

गण्यता-1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), श्रद्धा और भक्ति, लोभ और प्रीति । **(Credits)**

गण्यता-2. सं० सत्येन्द्र : निबंध निलय : बालकृष्णभट्ट, हजारी प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय एवं कुबेरनाथ राय के निबंध

गण्यता-3. महादेवी वर्मा : स्मृति की रेखाएँ : भक्तिन, ठकुरी बाबा और बिटिया

गण्यता-4. निर्मल वर्मा : चीड़ों पर चाँदनी : ब्रेख़्त और एक उदास नगर, चीड़ों पर चाँदनी, काफ़्का और चापेक

गण्यता–5. फणीश्वर नाथ 'रेणु' : पटना जलप्रलय : रेणु रचनावली; तूफानों के बीच : रांगेय राघव; युद्ध–यात्रा : धर्मवीर भारती; वे लड़ेंगे हजार साल : शिवसागर मिश्र

सहायक पुस्तकें :

काव्य के रूप	– गुलाब राय
हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास	– विजयेन्द्र स्नातक
हिन्दी का गद्य साहित्य	– रामचन्द्र तिवारी
साहित्य सहचर	– हजारी प्रसाद द्विवेदी
प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार	– विभुराम मिश्र
पाश्चात्य निबन्ध कला	– कैलाश चन्द्र माथुर
साहित्य रूप	– रामाअवध द्विवेदी
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना का विकास	– रामविलास शर्मा
रामचन्द्र शुक्ल के समीक्षा सिद्धान्त और गीता रहस्य	– समीक्षा ठाकुर
छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य	– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
निर्मल वर्मा	– सं. अशोक वाजपेयी
जड़ की बात	– सं. रमेशचन्द्र शाह
रामचंद्र शुक्ल	– मलयज

प्रथम वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

सातवाँ पत्र : हिन्दी नाटक और रंगमंच

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

<u>हिन्दी नाटक और रंगमंच : पाठ्यांश</u>

गण्यता–1. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(Credits)

गण्यता–2. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद

गण्यता–3. अंधायुग : धर्मवीर भारती

गण्यता–4. आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश

गण्यता–5. कबिरा खड़ा बाजार में : भीष्म साहनी

सहायक पुस्तकें :

हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास - दशरथ ओझा
रंग दर्शन - नेमिचन्द्र जैन, अंधेर नगरी :
संवेदना और शिल्प - सिद्धनाथ कुमार
परम्पराशील नाट्य स्कन्दगुप्त - जगदीशचन्द्र माथुर
आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - सं. नेमिचन्द्र जैन
नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना - सत्येन्द्र तनेजा
आधुनिक नाटक का मसीहा - गोविन्द चातक
समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच - जयदेव तनेजा
नाट्यशास्त्र और भारतीय परंपरा - हजारी प्रसाद द्विवेदी
मोहन राकेश की रंग सृष्टि - जगदीश शर्मा
भारतेन्दु युग का नाट्य साहित्य और रंगमंच - वासुदेवनन्दन प्रसाद
मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी
प्रसाद के नाटक : सर्जनात्मक धरातल और भाषिक चेतना - गोविन्द चातक
प्रसाद के नाटक - केसरी कुमार
आषाढ़ का एक दिन - सं० सिद्धनाथ कुमार
रंग कोलाज - देवेन्द्र राज अंकुर,
संवेदना और शिल्प - सिद्धनाथ कुमार
चन्द्रगुप्त : आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता - डॉ० सत्यवती त्रिपाठी

प्रथम वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

आठवाँ पत्र : हिन्दी कहानी

(1) **सतत आन्तरिक मूल्यांकन**
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) **अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)**

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित)
- 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित
- 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता **(Credits)** से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

<u>हिन्दी कहानी : पाठ्यांश</u>

गण्यता-1. **(Credits)** पूस की रात : प्रेमचंद; जाह्नवी : जैनेन्द्र, संतान की मशीन : यशपाल ।

गण्यता-2. परिंदे : निर्मल वर्मा; चीफ की दावत : भीष्म साहनी, तीसरी कसम : फणीश्वर नाथ रेणु

गण्यता-3. डिप्टी कलक्टरी : अमरकांत; जहाँ लक्ष्मी कैद है : राजेन्द्र यादव, सिक्का बदल गया : कृष्ण सोबती

गण्यता-4. आरोहण : संजीव

गण्यता-5. ~~कामरेड का कोट : संजय; सलाम : ओमप्रकाश वाल्मीकि,~~
~~क्रौंच वध : ऋता शुक्ल~~

अनुशंसित पुस्तकें :

1. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० राम विलास शर्मा
2. प्रेमचंद की कहानियाँ : परिदृश्य और परिप्रेक्ष्य : सं० डॉ० राजेन्द्र कुमार : अभिव्यक्ति प्रकाशन
3. कहानीकार जैनेन्द्र : अभिज्ञान और उपलब्धि : जगदीश पाण्डेय : पूर्वोदय प्रकाशन
4. कहानी : नई कहानी : डॉ० नामवर सिंह
5. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : डॉ० देवी शंकर अवस्थी
6. कहानी की बात : मार्कण्डेय : लोकभारती प्रकाशन
7. कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रकृति और परिदृश्य : यदुनाथ सिंह
9. कहानी : संवाद का तीसरा आयाम : बटरोही
10. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश
11. समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि : सं० धनंजय

द्वितीय वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

नौवाँ पत्र : पूर्व छायावादी एवं छायावादी काव्य

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

पूर्व छायावादी एवं छायावादी काव्य : पाठ्यांश

गण्यता-1. मैथिली शरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)
(Credits)

गण्यता-2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा और इड़ा सर्ग)

गण्यता-3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : रागविराग : सं० राम विलास शर्मा : सरोजस्मृति, राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता

गण्यता-4. सुमित्रानन्दन पंत : पल्लव : उच्छ्वास, आँसू, स्वप्न, छाया और परिवर्तन

गण्यता–5. महादेवी वर्मा : दीपशिखा : निम्नांकित गीत : 1, 2, 5, 6, 13, 14

सहायक पुस्तकें :

हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	– नंद दुलारे वाजपेयी
प्रसाद का काव्य	– प्रेमशंकर
कामायनी : एक पुनर्विचार	– ग०मा० मुक्तिबोध
निराला की साहित्य साधना (भाग – 2)	– रामविलास शर्मा
निराला : कृति से साक्षात्कार (दो खंड)	– नंद किशोर नवल
सुमित्रानंदन पंत	– नगेन्द्र
छायावाद	– नामवर सिंह
छायावाद की प्रासंगिकता	– रमेशचन्द्र शाह
महादेवी वर्मा	– जगदीश गुप्त
महादेवी का काव्य–सौष्ठव	– कुमार विमल
आस्था के चरण	– नगेन्द्र
कामायनी सौन्दर्य	– फतह सिंह
कामायनी अध्ययन की समस्याएँ	– नगेन्द्र
पंत और उनका गुंजन	– केसरी कुमार
अतीत के हंस	– प्रभाकर श्रोत्रिय
कामायनी परिशीलन	– नंदकिशोर नवल
निराला की विचारधारा और विवेकानन्द	– तरुण कुमार

द्वितीय वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

दसवाँ पत्र : हिन्दी उपन्यास

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि – 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)– 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) – 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित – 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल– = 70 अंक

<u>हिन्दी उपन्यास : पाठ्यांश</u>

गण्यता–1. प्रेमचंद : गोदान

(Credits)

गण्यता–2. अज्ञेय : शेखर (भाग – 1)

गण्यता–3. हजारी प्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा

गण्यता–4. फणीश्वर नाथ 'रेणु' : मैला आँचल

गण्यता–5. महाभोज : मन्नू भंडारी

सहायक पुस्तकें :

प्रेमचंद और उनका युग	– रामविलास शर्मा
गोदान : नया परिप्रेक्ष्य	– गोपाल राय
कथा समय	– विजय मोहन सिंह
शेखर एक जीवनी का महत्त्व	– परमानंद श्रीवास्तव
अज्ञेय और उनका उपन्यास	– गोपाल राय
फणीश्वरनाथ रेणु का मैलाआँचल	– गोपाल राय
मैला आँचल की रचना प्रक्रिया	– देवेश ठाकुर
हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद	– त्रिभुवन सिंह
प्रेमचंद : विविध आयाम	– दिनेश प्रसाद सिंह
गोदान : पुनर्मूल्यांकन के बाद	– दिनेश प्रसाद सिंह
अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या	– प्रो० रामस्वरूप चतुर्वेदी
अज्ञेय : सृजन और संघर्ष	– राम कमल राय
महाभोज : उपन्यास की पहचान	– गोपाल राय
आधुनिक हिन्दी उपन्यास	– भीष्म साहनी
महाभोज का महत्त्व	– सं० सूरज पालीवाल सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
मैला आँचल	– सं० परमानंद श्रीवास्तव अभिव्यक्ति प्रकाशन

द्वितीय वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

ग्यारहवाँ पत्र : छायावादोत्तर हिन्दी काव्य - I

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)-
11 X 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित)
- 05 X 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित
- 13 X 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

छायावादोत्तर हिन्दी काव्य - I : पाठ्यांश

गण्यता-1. दिनकर : उर्वशी (तृतीय अंक) ।
(Credits)

गण्यता-2. अज्ञेय : सन्नाटे का छंद : सं. अशोक वाजपयी : वाग्देवी पॉकेट बुक्स ।
निम्नांकित कविताएँ : दूर्वाचल, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, बावरा अहेरी, सोन-मछली, असाध्य वीणा ।

गण्यता-3. बच्चन : निशा निमंत्रण : दिन जल्दी-जल्दी ढलता है, बीत चली संध्या की बेला, अंधकार बढ़ता जाता है, प्रबल झंझावात, स्वप्न भी छल जागरण भी ।

गण्यता-4. मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ : ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में ।

सहायक पुस्तकें :

नये साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र	- मुक्तिबोध
नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ	- जगदीश गुप्त
अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्याएँ	- रामस्वरूप चतुर्वेदी
नयी कविताएँ : एक साक्ष्य	- नन्दकिशोर नवल
निराला और मुक्तिबोध : चार लंबी कविताएँ	- नन्दकिशोर नवल
आत्मनेपद - अज्ञेय मुक्तिबोध के प्रतीक और बिंब	- चंचल चौहान
कविता के नये प्रतिमान	- नामवर सिंह
नयी कविता और अस्तित्ववाद	- रामविलास शर्मा
भाषा, युगबोध और कविता	- रामविलास शर्मा
उर्वशी : उपलब्धि और सीमा	- विजेन्द्र नारायण सिंह
दिनकर	- सं. सावित्री सिन्हा,
विवेक के रंग	- देवीशंकर अवस्थी
गजानन माधव मुक्तिबोध	- सं. विश्वनाथ त्रिपाठी
छठवाँ दशक	- विजयदेव नारायण साही
नयी कविता : उद्‌भव और विकास	- रामवचन राय
नई कविता : नया परिदृश्य	- सुरेन्द्र स्निग्ध
नलिन विचोलन शर्मा	- गोपेश्वर सिंह

द्वितीय वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

बारहवाँ पत्र : छायावादोत्तर हिन्दी काव्य - II

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

छायावादोत्तर हिन्दी काव्य - II :

गण्यता-1. नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ : निर्धारित कविताएँ : यह दंतुरित मुस्कान, बादल को घिरते देखा है, पैने दाँतों वाली, शासन की बंदूक और हरिजन गाथा ।
(Credits)

गण्यता-2. शमशेर : प्रतिनिधि कविताएँ : बात बोलेगी, सागर तट, उषा, घिर गया है समय का रथ, 'लौट आ, ओ धार', बैल ।

गण्यता-3. रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरुद्ध : निर्धारित कविताएँ : अधिनायक, नेता क्षमा करें, हमारी हिंदी, एक अधेड़ भारतीय आत्मा और आत्महत्या के विरुद्ध ।

गण्यता-4. केदारनाथ सिंह : उत्तर कबीर और अन्य कविताएँ : निर्धारित कविताएँ : गाँव आने पर, कुदाल, प्रश्नकाल, नमक, गूँज, घर का विचार, शहर की सफाई ।

गण्यता-5. धूमिल : संसद से सड़क तक : निर्धारित कविताएँ : बीस साल बाद, मोचीराम, मुनासिब कार्रवाई और पटकथा ।

सहायक पुस्तकें :

नई कविता : उद्‌भव और विकास	- रामवचन राय
समकालीन हिन्दी कविता	- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
नई कविता, नई आलोचना और कला	- कुमार विमल
समकालीन काव्य शास्त्र	- नन्दकिशोर नवल
आलोचना का नागार्जुन विशेषांक	- सं. नामवर सिंह
नयी कविता और अस्तित्ववाद	- रामविलास शर्मा
अकविता	- श्याम परमार
नई कविता का भाव बोध	- रामवचन राय
समकालीन कविता का यथार्थ	- परमानन्द श्रीवास्तव
कविता की संगत	- विजय कुमार
नया काव्य, नये मूल्य	- ललित शुक्ल
फिलहाल	- अशोक वाजपेयी
नागार्जुन का रचना संसार	- विजय बहादुर सिंह
शमशेर	- सं. सर्वेश्वर और मलयज
शमशेर की कविता	- नरेन्द्र वशिष्ठ,
विवेक के रंग	- देवीशंकर अवस्थी
नई कविता की रचना-प्रक्रिया	- डॉ० अमर कुमार सिंह

पत्र - 401

द्वितीय वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

~~छठवाँ पत्र~~ : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(1) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

पाश्चात्य काव्यशास्त्र का पाठ्यांश

गण्यता-1. प्लेटो : अनुकरण सिद्धांत एवं अन्य काव्य सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण
(Credits) सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत

गण्यता-2. लोंजाइनस : काव्य में उदात्त तत्त्व
क्रोचे : अभिव्यंजनावाद

गण्यता-3. आई० ए० रिचर्ड्स : सम्प्रेषण सिद्धान्त, मूल्य सिद्धान्त
टी० एस० इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ सहसम्बन्ध

गण्यता-4. कोलेरिज : कल्पना सिद्धान्त
वर्डसवर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धान्त

सहायक पुस्तकें :

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र-कोश	– राजवंश सहाय 'हीरा'
पाश्चात्य काव्य शास्त्र	– देवेन्द्रनाथ शर्मा
पाश्चात्य साहित्य चिन्तन	– कुसुम बठिया
नई समीक्षा : नये सन्दर्भ	– नगेन्द्र
नयी समीक्षा के प्रतिमान	– निर्मला जैन
साहित्य सिद्धान्त	– रेनेवेलेक एवं आस्टिन वारेन
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की रूपरेखा	– रामचंद्र तिवारी
Literary Criticism : A short History	- Wimsalt and Brooks
Aristotel's theory of poetry and Fine Art	- S. H. Butcher
Coleridges philosophy of literature	- J. A. appleyard
Aesthetics	- Benedetto Croce
Principles of literary criticism	- I. A. Richards
On poetry and poets	- T. S. Elliot
Selected Essays	- T. S. Elliot
Revalucation	- F. R. Leavis
Twentieth Century Literary History	- Wenbrook Handy
Criticism and society in literary history	- Terry Eagleton

पत्र-402.

द्वितीय वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

~~चौदहवाँ~~ पत्र : आलोचक एवं आलोचना

(1) **सतत आन्तरिक मूल्यांकन**
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) **अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)**

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

आलोचक और आलोचना : पाठ्यांश

गण्यता-1. बालकृष्ण भट्ट की आलोचनात्मक दृष्टि और देन ।

(Credits) पाठ्य सामग्री : 'सहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है', सच्ची समालोचना ।

गण्यता-2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की लोकमगल की अवधारणा, विरुद्धों का सामंजस्य, काव्य में रहस्यवाद सम्बन्धी अवधारणा ।
पाठ्य सामग्री : 'कविता क्या है', 'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था', 'काव्य में रहस्यवाद' ।
चिंतामणि- भाग-1 चितांमणि- भाग-2

गण्यता-3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की मानवतावादी आलोचना दृष्टि ।

पाठ्य सामग्री : 'भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या', 'मुनष्य ही साहित्य का लक्ष्य है' ।
(हजारी प्रसाद द्विवेदी : संकलित निबंध : सं० नामवर सिंह)

गण्यता-4. डॉ० रामविलास शर्मा की वस्तुवादी आलोचना दृष्टि और देन ।
पाठ्य सामग्री : (आस्था और सौंदर्य : रामविलास शर्मा)
'सौंदर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास', 'काव्य में उदात्त तत्त्व और रमणीयता' ।

गण्यता-5. डॉ० नामवर सिंह की वस्तुवादी आलोचना दृष्टि और देन ।
पाठ्य सामग्री : 'आलोचना की भाषा', 'आलोचना की स्वायत्तता' – वाद विवाद संवाद
'कविता क्या है' – कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह

सहायक पुस्तकें :

हिन्दी का गद्य साहित्य	- रामचंद्र तिवारी
हिन्दी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार	- रामचंद्र तिवारी
हिन्दी आलोचना का विकास	- नन्द किशोर नवल
रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना	- रामविलास शर्मा
रामचंद्र शुक्ल	- मलयज
हिन्दी आलोचना : 20वीं शताब्दी	- निर्मला जैन
हिन्दी आलोचना	- विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
वर्तमान साहित्य (शताब्दी आलोचना पर एकाग्र - 1)	- सं० अरविंद त्रिपाठी

पत्र-403 **चौथा सत्रार्द्ध (Semester - IV)**

द्वितीय वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

~~पंद्रहवाँ पत्र~~ : राजभाषा हिन्दी : प्रावधान और प्रयोग

चयनात्मक (Elective)

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्द्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(ii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्न अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

<u>राजभाषा हिन्दी : प्रावधान और प्रयोग : पाठ्यांश</u>

गण्यता-1. **(Credits)** राजभाषा : परिभाषा और प्रकृति (स्वरूप), संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अंतर, प्रशासन और राजभाषा का अन्तःसम्बन्ध, राजभाषा का चयन, स्वीकृति और राष्ट्र की अन्य भाषाओं से सहसम्बन्ध, मानक भाषा और राजभाषा ।

गण्यता-2. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक व्यवस्था : अनुच्छेद, राजभाषा अधि नियम, राष्ट्रपति के राजभाषा संबंधी आदेश, राजभाषा संकल्प-1968, राजभाषा नियम, द्विभाषा नीति, त्रि-भाषा सूत्र, हिन्दी भाषी प्रदेशों एवं हिंदीतर प्रदेशों में राष्ट्रभाषा हिन्दी की वर्तमान स्थिति ।

गण्यता-3. हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न संस्थाओं और व्यक्तियों की भूमिका, अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी, राष्ट्रसंघ में हिन्दी, विश्वहिंदी सम्मेलन और हिंदी ।

गण्यता-4. राजभाषा हिंदी का अनुप्रयुक्त पक्ष : हिंदी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण, पत्राचार, हिन्दी टंकण, मुद्रण एवं कंप्यूटरीकरण की अद्यतन स्थिति, हिन्दी का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास : उपलब्धियाँ और सीमाएँ ।

गण्यता-5. कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद की समस्या, मौलिक लेखन की भाषा के रूप में नहीं अनुवाद-भाषाके रूप में राजभाषा हिंदी का विकास, हिंदी में संक्षेपाक्षर, संकेताक्षर एवं कूटपद निर्माण, न्यायपालिका, बैंकिंग, बीमा आदि में राजभाषा हिंदी, राजभाषा हिंदी-उर्दू में प्रतिस्पर्धी सम्बन्ध।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम : डॉ० मलिक मुहम्मद, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी : उद्‌भव, विकास और रूप : डॉ० हरदेव बाहरी, किताब महल
3. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र : डॉ० रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव : राधाकृष्ण प्रकाशन
4. भारत की भाषा-समस्या : डॉ० राम विलास शर्मा
5. दक्षिण भारत के हिन्दी प्रचार आंदोलन का समीक्षात्मक इतिहास : पं० के केशवन नायर
6. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झाल्टे
9. व्यावहारिक हिन्दी और भाषा-संरचना : डॉ० दिनेश प्रसाद सिंह
10. बैंकिग हिन्दी पाठ्यक्रम : सं० अमर बहादुर सिंह : केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा
11. व्यावसायिक हिन्दी : भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी : शब्दकार
12. हिन्दी भाषा : विविध आयाम : सं० सुभाष शर्मा, देवेन्द्र मिश्र : साहित्य संसद, नई दिल्ली

पत्र - 404

चौथा सत्रार्ध (Semester - IV)

द्वितीय वर्ष : हिन्दी स्नातकोत्तर

~~दूसरा~~ पत्र : संस्कृत साहित्य का इतिहास

चयनात्मक (Elective)

(1) सतत आन्तरिक मूल्यांकन
(Continuous Internal Assessment) : 30 अंक

(2) अर्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षा (अवधि - 3 घंटे)

(i) ग्यारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यता (Credits) से दो प्रश्न)- 11 x 1 = 11 अंक

(iii) पाँच लघूत्तरी प्रश्न (चार के उत्तर अपेक्षित) - 05 x 4 = 20 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

(iii) पाँच में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - 13 x 3 = 39 अंक
(प्रत्येक गण्यता (Credits) से एक प्रश्न)

कुल- = 70 अंक

संस्कृत साहित्य का इतिहास : पाठ्यांश

गण्यता-1. संस्कृत साहित्य का साहित्यिक-सांस्कृतिक महत्त्व, संस्कृत साहित्य के इतिहास का काल विभाजन, वैदिक साहित्य : ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद, वेदांग साहित्य : शिक्षा, छन्द, निरुक्त, व्याकरण, ज्योतिष, कल्पसूत्र, वेदों का रचना-काल ।
(Credits)

गण्यता-2. रामायण : रचनाकार और रचनाकाल ; महाभारत : रचनाकार और रचनाकाल; महाभारत का विकास, रामायण-महाभारत की तुलना, रचना-काल की तुलना ।

गण्यता-3. कालिदासकालीन एवं कालिदासोत्तर महाकाव्य : कालिदास के महाकाव्यों का सामान्य परिचय, कालिदास की राष्ट्रीय भावना, कालिदास का जीवन-दर्शन, अश्वघोष, भारवि, माघ, श्री हर्ष एवं कल्हण के महाकाव्यों का साहित्यिक महत्त्व ।

गण्यता-4. गद्यकाव्य : परिभाषा और स्वरूप, संस्कृत गद्य काव्य का सामान्य परिचय, संस्कृत गद्यकाव्य के विकास में सुबन्धु, बाणभट्ट एवं दण्डी का अवदान ।

गण्यता-5. संस्कृत कथा-साहित्य का विकास : पंचतंत्र, हितोपदेश, बृहत्कथा, विक्रमचरित आदि का सामान्य परिचय एवं वैशिष्ट्य, संस्कृत नाटक का विकास, भास, कालिदास, विशाखदत्त, शूद्रक, हर्षवर्धन एवं भवभूति के नाटक एवं वैशिष्ट्य, संस्कृत रंगमंच ।

सहायक पुस्तकें :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आ० बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ० उमाशंकर शर्मा ऋषि
3. संस्कृत वाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास - डॉ० सूर्यकान्त
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला
5. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - मैक्डोनल
   अनुवादक - चारुचन्द्र शास्त्री
6. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिलदेव द्विवेदी
7. संस्कृत महाकाव्य की परंपरा - मुसलगाँवकर
8. संस्कृत नाटक - ए० बी० कीथ
   (हिन्दी अनुवाद)
9. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी
10. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - आ० बलदेव उपाध्याय